VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 10 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1838)

Name of Candidate	SHASHI SHEKHAR		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	742438
Center	MN-DELHI	Date	10/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Chalukyan architecture uniquely epitomises the grandeur and hybrid characteristic style of temple building. Elaborate. **(150 words) 10**
चालुक्य स्थापत्य कला विशिष्ट रूप से मंदिर निर्माण की वैभवपूर्ण और संकर अभिलक्षणिक शैली का प्रतीक है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

चालुक्य शैली का उदय बादामी के चालुक्यों के अधीन दक्कन क्षेत्र में 6-8वीं सदी में हुआ था। कालांतर में कल्याणी के परवर्ती चालुक्यों द्वारा भी मंदिर निर्माण शैली को 11-12वीं सदी में संरक्षण दिया गया था।

चालुक्य स्थापत्य शैली में मंदिर निर्माण

- वेसर शैली से प्रभावित होकर चालुक्यों द्वारा विभिन्न तरीके से मंदिर निर्माण
- मंदिर निर्माण की विशेषताओं में नागर शैली की कुछ विशेष विशेषताएं भी समाहित, जैसे- पंचायतन प्रारूप आदि
- द्रविड़ शैली के महत्वपूर्ण विशेषताओं का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी समादेश जिसके अंतर्गत शिव्का तथा विमान की भव्यता पर बल

- मंडप के आकार तथा ऊँचाई में नागर तथा द्रविड़ शैलियों के मिश्रित विशेषताओं का समावेशन
- मंदिरों तथा स्तंभों पर नक्काशी एवं चित्रण में विविध तरीकों का उपयोग
- बादामी तथा पट्टडकल के मंदिर समूहों के अंतर्गत काफी बड़ी संख्या में वितराये हुए निर्माण
- एहोल में एकाश्मक पत्थर से भी निर्माण

दक्कन क्षेत्र में अवस्थिति से उत्तर के नागर शैली एवं दक्षिण के द्रविड़ स्थापत्य शैली दोनों का प्रभाव इसमें दृष्टिगोचर होता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The success or failure of a political movement is not always determined by the achievement of its stated goals. Discuss in light of the Ghadar movement.

(150 words) 10

किसी राजनीतिक आंदोलन की सफलता या विफलता सदैव उसके घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति से निर्धारित नहीं होती है। गदर आंदोलन के आलोक में चर्चा कीजिए।

गदर आंदोलन एक ब्रिटिश विरोधी राष्ट्रवादी भारतीय आंदोलन था, जो विदेशों (USA, जर्मनी etc) में उदित होकर भारतीय आंदोलन पर भी गहरा प्रभाव डाला था। भाई परमानंद, लाला हरदयाल आदि प्रमुख नेता थें।

आंदोलन की सफलता में घोषित लक्ष्यों का प्रभाव

- स्पष्ट तथा व्यवस्थित तरीके से घोषित उद्देश्यों से आंदोलन का उद्देश्य स्पष्ट पता चलता है। इससे जनता का समर्थन प्राप्त होना संभव
- एक निर्धारित संगठनात्मक ढांचे के विकास को प्रोत्साहन जैसे - आंदोलन चलाने हेतु

लिए नेतृत्व तथा कार्यकर्ताओं का इंतजाम

गदर आंदोलन का प्रभाव

- ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष तथा भागीदारिता
- अप्रवासियों के हितों का संरक्षण करके उनमें राष्ट्रीय आंदोलन के प्रति बोध भरना
- भारतीय क्रांतिकारियों को प्रेरित करना
- ज्यादा व्यापक प्रभाव ना होने के बावजूद 1920 के दशक तक एक बड़े वर्ग में राष्ट्रीय चेतना का प्रसार

हालांकि गदर आंदोलन ज्यादा तीव्र सफलता नहीं प्राप्त किया था, लेकिन अपने घोषित लक्ष्यों के द्वारा जनमानस में ब्रिटिश विरोध की भावना को प्रबल रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the ways in which Gandhian conceptualisation of Sarvodaya influenced Vinoba Bhave's Bhoodan movement. **(150 words) 10**
उन तरीकों की विवेचना कीजिए जिनसे सर्वोदय की गांधीवादी अवधारणा ने विनोबा भावे के भूदान आंदोलन को प्रभावित किया था।

सर्वोदय की गांधीवादी विचारधारा के अनुसार समाज के सभी वर्गों (पिछड़े तथा अत्यंत निचले पायदान वाले सहित) की भलाई तथा प्रगति पर ध्यान देना चाहिए।

सर्वोदय का भूदान आंदोलन पर प्रभाव

- भूदान आंदोलन के तहत अधिशेष भूमि धारकों को स्वेच्छा से अपनी भूमि दान देने की भावना में वृद्धि करना था।
- भूमिहीनों को भूमि की उपलब्धता से ग्रामीण भारत का कायाकल्प करने की मंशा सभी की भलाई के अनुरूप थी।
- ग्राम सभा तथा ग्राम पंचायत की भूदान आंदोलन में भूमिका भी सर्वोदयी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विचार से प्रभावित क्योंकि गांधीजी द्वारा ग्रामीण समाज उत्थान पर व्यापक जोर

- बिना बलप्रयोग या राज्य हस्तक्षेप के भूदान से व्यक्ति का आत्मिक तथा नैतिक विकास को बढ़ावा देना सर्वोदयी विचार से प्रेरित

- ऐतिहासिक रूप से चली आ रही भूमि संबंधी असमानता तथा जटिलता को नैतिक प्रयासों के द्वारा हल करना

- लघु तथा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा, कृषक आधारित ग्रामीण सशक्तिकरण की पैरवी

सामाजिक असमानता कमी की आकांक्षा लिए हुए भूदान आंदोलन के तरीकों में गांधीवादी रणनीति एवं आत्मिक तथा नैतिक सर्वोदयी भावना से प्रेरित थी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Bring out the evidences, which led to the Plate Tectonics Theory. Also, discuss how this theory explains the movement of plates.

(150 words) 10

उन साक्ष्यों को उजागर कीजिए जिनसे प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत का प्रतिपादन हुआ। साथ ही, विवेचना कीजिए कि यह सिद्धांत किस प्रकार प्लेटों की गति की व्याख्या करता है।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के अंतर्गत पृथ्वी को 7 मुख्य प्लेटें एवं कई अन्य गौण प्लेटें द्वारा विभाजित किया गया है।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत से जुड़े साक्ष्य

(1) महाद्वीपों के किनारों की भौगोलिक साम्यता, जैसे- अफ्रीका का पश्चिमी किनारा एवं दक्षिण अमेरिका तथा मध्य अमेरिका के पूर्वी किनारों का मिला हुआ प्रतीत होना

(2) भौगोलिक निक्षेपों में समानता, जैसे- घाना तथा ब्राजील में समान निक्षेप

(3) जीवाश्मों तथा जीवों का एक जैसा मिलना जैसे - ऑस्ट्रेलिया तथा भारत में कुछ जीवाश्म

(4) मध्य महासागरीय तरंग के दोनों तरफ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समान इरि इरी के चट्टानों में एडसमान चुंबकीय तथा अन्य गुणों की मौजूदगी

प्लेट विवर्तनिकी द्वारा प्लेटों की गति की व्याख्या

- सागरीय नितल के प्रसार संबंधी अवधारणा जोकि मध्य महासागरीय रिज से जुड़ी हुई है, के अंतर्गत मैग्मा का दुर्बलतामंडल से क्रस्ट की तरफ आना
- उपरोक्त से प्लेटों को धक्का लगने वाले बल का निर्माण
- अभिसारी सीमाओं पर प्लेटों के धंसाव से भूपर्पटी का नीचे मैग्मा में बदलना

वस्तुतः अपसारी सीमाओं पर नयी पर्पटी का निर्माण एवं अभिसारी पर वापस विनाश का चक्र ही प्लेटों की गति का एक आधार प्रदान करता है।

5. Give an account of the formation of Abyssal Plains and highlight the relief features found on these plains. (150 words) 10
वितलीय मैदानों के निर्माण का विवरण दीजिए और इन मैदानों पर पाए जाने वाले उच्चावच संबंधी लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

वितलीय मैदान सागर अधःस्तल पर मौजूद गहरे विशाल समतल मैदान हैं। यह हिंद महासागर, अटलांटिक आदि में लगभग 3-4 km की गहराई में व्यापक रूप से मौजूद हैं।

वितलीय मैदानों का निर्माण

- महासागरीय सीमाओं से महाद्वीपों के तलछटों का नदियों, वायु आदि द्वारा संचलन तथा कालांतर में इनसे मैदानी सतह का निर्माण
- मध्य महासागरीय कटकों द्वारा नयी भूपर्पटी निर्माण का दोनों तरफ फैलना जिससे समय के साथ मैदानी संरचना
- लाखों वर्षों से अपरदन के फलस्वरूप

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं सागरीय जल से समतली सँरचना का निर्माण

विस्तीर्ण मैदान के उच्चावच संबंधी लक्षण

- एक व्यापक, समतल तथा सपाट सागरीय अधःस्तल की मौजूदगी
- सागरीय टीलों (Sea Mounts) की मौजूदगी एवं कभी-कभी यह समुद्री जल के ऊपर पहुँचकर द्वीप का निर्माण
- सागरीय Guyots के निर्माण जो कि एक निमग्न द्वीप की तरह का हो
- कटक के रूप में मध्य महासागरीय कटकों का इन मैदानों की सीमा का निर्धारण

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the geographical and climatic conditions required for tea cultivation? In this context, discuss the reasons for the introduction of tea cultivation in the Duars region of the Himalayas by the British.

(150 words) 10

चाय की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक और जलवायविक दशाएं क्या हैं? इस संदर्भ में, अंग्रेजों द्वारा हिमालय के दुआर क्षेत्र में चाय की खेती शुरू करने के कारणों की विवेचना कीजिए।

चाय एक वाणिज्यिक पेय फसल है। आज भारत इसके शीर्ष उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं में शामिल होता है। अंग्रेजों द्वारा व्यापक रूप से यह पूर्वी-उत्तरी राज्यों, प. बंगाल, नीलगिरि आदि में रोपा गया था।

आवश्यक भौगोलिक तथा जलवायवी दशाएं

- तापमान का 20-30°C के बीच में रहना
- आर्द्र तथा उष्ण जलवायु की उपलब्धता
- वर्ष भर वर्षा की मात्रा एवं वार्षिक रूप से 150-400 cm की वर्षा
- पाला रहित मौसम
- अपवाह युक्त मृदा की उपस्थिति ताकि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्षा का जल रुके ना
- पर्वतीय तथा उच्च भूमि का क्षेत्र

दुआर क्षेत्र में खेती के कारण

- अंग्रेजों द्वारा दुआर क्षेत्र की जलवायु का व्यापक अध्ययन कर अनुकूल जलवायवी दशा का पता लगाना
- अपवाह युक्त कंकड़ एवं रेतीली मृदा की व्यापक उपस्थिति
- ढलान युक्त भूमि की उपलब्धता ताकि पानी जमाव ना हो
- तापमान का अनुकूल बना रहना तथा ना ज्यादा गर्म एवं ना ज्यादा ठंडा मौसम

आज भी उपरोक्त क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर चाय की खेती की जाती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Briefly bring out the distinction between flash droughts and conventional droughts. Also, examine the reasons behind the increasing vulnerability of India to flash droughts. **(150 words) 10**

आकस्मिक सूखा और पारंपरिक सूखा के मध्य अंतर को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। साथ ही, आकस्मिक सूखे के प्रति भारत की बढ़ती सुभेद्यता के कारणों का परीक्षण कीजिए।

आकस्मिक सूखे के अंतर्गत एक कम समयावधि में त्वरित रूप से चरम सूखा पड़ता है।

आकस्मिक सूखा तथा पारंपरिक सूखा में अंतर

आकस्मिक सूखा	पारंपरिक सूखा
(1) चरम तथा तीव्र रूप से फैलना	(1) तुलनात्मक रूप से कम तीव्रता से धीरे-2 विकास
(2) मृदा की नमी एवं आर्द्रता का तीव्र ह्रास	(2) एक समयांतराल में धीरे-2 विकास
(3) हीट वेव, तीव्र लू, विकिरण एवं अल्प हवाओं का सम्मिलित होना	(3) एक सतत प्रक्रिया जिसमें कम वर्षा का अहम रोल

भारत की सुभेद्यता के कारण

— भारत का अल्पवृष्टिबंध में व्यापक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्र की मौजूदगी जिससे तापीय विकिरण का ज्यादा तीव्रता से आगमन

- बढ़ता मरुस्थलीकरण तथा थार मरुस्थल जनित गर्म तथा शुष्क हवाओं से एक क्षेत्र विशेष में तीव्र सूखा संभव
- जलवायु परिवर्तन तथा वैश्विक तापन से वर्षा पैटर्न में अनियमित बदलाव
- बढ़ता शहरीकरण तथा कंक्रीट का जंगल जिससे अर्बन हीट आइलैंड का निर्माण
- मानसूनी वर्षा पर उच्च निर्भरता एवं सूखे की स्थिति का इसके पैटर्न के साथ गहरा जुड़ाव

विशाल जनसंख्या की खाद्य जरूरतों एवं अन्य आवश्यकताओं के मद्देनजर इसके प्रति समझ एवं अनुकूलता को बढ़ावा देना होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Though various initiatives have been taken to ensure social security for informal workers in India, there still exist gaps which need to be plugged. Discuss. **(150 words) 10**

हालांकि भारत में अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न पहलें शुरू की गई हैं, फिर भी कुछ कमियां मौजूद हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत अनौपचारिक श्रमिकों के स्वास्थ्य देखभाल, पेंशन, बेहतर जीवन-निर्वाह की दशाओं आदि पर ध्यान दिया जाता है। भारत में कुल श्रमबल का लगभग 90% अनौपचारिक श्रमिक है।

विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पहलें

1. सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के द्वारा विभिन्न श्रम कानूनों का समेकन
2. PM श्रमयोगी मानधन योजना के तहत पेंशन उपलब्धता
3. ई-श्रम पोर्टल के द्वारा रोजगार की पहुंच
4. PM जीवन ज्योति बीमा योजना, PM सुरक्षा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बीमा योजना तथा PM जनधन योजना से सामाजिक कल्याण का बढ़ावा

विद्यमान कमियां तथा चुनौतियां

(1) कई सारे सेक्टर में कार्यरत श्रमिकों की पहचान में समस्या

(2) अंतर एजेंसी समन्वय के अभाव से योजनाओं का प्रभावी रूप में लागू ना हो पाना

(3) अपर्याप्त आंकड़ो तथा डाटा की अनुपलब्धता

(4) श्रमिकों के मध्य जागरूकता का अभाव

(5) निगरानी तथा अनुपालन संबंधी पर्याप्त जवाबदेही एवं वित्तपोषण का अभाव

उपरोक्त के मद्देनजर व्यापक जागरूकता, बेहतर एजेंसी समन्वय एवं पर्याप्त वित्त उपलब्धता सुनिश्चित करना होगा ताकि SDG गोल-8 प्राप्त हो सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Critically assess the government's move on raising the age of marriage of women in India from 18 to 21 years. **(150 words) 10**

भारत में महिलाओं के विवाह की आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने के सरकार के कदम का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

हाल ही में बाल विवाह प्रतिषेध एक्ट में संशोधन के द्वारा विवाह की आयु लड़कियों के लिए 21 वर्ष करने का सुझाव पेश किया गया था।

21 वर्ष करने से लाभ

① लैंगिक समानता के दृष्टिकोण के अनुरूप जहां सभी के लिए 21 वर्ष उम्र का होना

② लड़कियों को विवाह पूर्व उचित शिक्षा की उपलब्धता को बढ़ावा क्योंकि परिवार में जल्दी शादी से शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव

③ स्वास्थ्य देखभाल तथा प्रजनन अधिकार के प्रति समझ हेतु ज्यादा समय

④ देश की आर्थिक प्रगति में लैंगिक-न्याय

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बढ़ावा देने के अनुरूप

विवाह उम्र बढ़ाने से जुड़े चिंताएं/मुद्दे

(1) जन्मपूर्व लिंग चयन आधारित भ्रूणहत्या को बढ़ावा मिलना संभव क्योंकि बेटियों के शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर व्यय के प्रति समाज का नकारात्मक रवैया

(2) सामाजिक व्यवस्था में हस्तक्षेप की आशंका से सामाजिक विरोध संभव

(3) मतदान सहित कई कार्यों में 18 वर्ष की उम्र का ही होना

(4) व्यक्ति के निजी जीवन में राज्य का ज्यादा हस्तक्षेप संभव

हालांकि सरकार का यह कदम लैंगिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से है, लेकिन एक व्यापक विचार-विमर्श पश्चात ही इसपर आगे बढ़ा जाना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Reservation for locals in private sector has again brought the debate around regionalism into focus. In this context, examine whether regionalism is a threat to national integration. **(150 words) 10**

निजी क्षेत्रक में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण के मुद्दे ने क्षेत्रवाद के इर्द-गिर्द होने वाली बहस को पुन: केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में, परीक्षण कीजिए कि क्या क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है।

हाल ही में हरियाणा ने निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय आबादी को आरक्षण दिया है इससे क्षेत्रवाद आधारित राजनीति पर बहस आगे बढ़ी है

क्षेत्रवाद द्वारा राष्ट्रीय एकता पर चिंता

- क्षेत्रीय पहचान तथा उसपर आधारित सोच से राष्ट्रीय जुड़ाव की भावना में कमी की आशंका
- उपक्षेत्रीय मांगों की तीव्रता में और बढ़ोतरी की आशंका
- राष्ट्रीय एकीकरण की जगह क्षेत्रीय उभार की विचारधारा को प्रोत्साहन
- एक देश, एक पहचान आधारित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भावना का प्रसार

क्षेत्रवाद तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा

- क्षेत्रीय आधार पर जुड़ाव से अंततः सामाजिक एकता का प्रदर्शन और राष्ट्रीय एकता के विकास में सहायक
- सहकारी संघवाद आधारित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने से समग्र राष्ट्रीय विकास को प्रोत्साहन
- नागरिकों में सांस्कृतिक तथा सामाजिक समरसता की वृद्धि में सहायक

व्यापक भाषाई, नृजातीय तथा धार्मिक विविधता वाले भारत में क्षेत्रवाद को रचनात्मक रूप से देखना होगा। संकीर्ण क्षेत्रीय हितों की जगह एक समग्र तथा समावेशी सोच को बढ़ावा देना चाहिए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Explain how agricultural surplus, growth of crafts and trade, and growing population led to the second urbanisation in ancient India.

(250 words) 15

व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार कृषि अधिशेष, शिल्प और व्यापार की वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राचीन भारत में द्वितीय नगरीकरण हुआ है।

प्राचीन भारत में द्वितीय नगरीकरण की शुरुआत महाजनपद राज्यों के उदय के साथ पहली सदी ईसा पूर्व के मध्य में होती है। हड़प्पा अर्थात प्रथम नगरीकरण के लगभग 1000 वर्षों के बाद यह पूर्ण विकसित स्वरूप में दिखाई देती है।

कृषि अधिशेष तथा नगरीकरण

- हड़प्पा के पतन तथा आर्यों के आगमन के पश्चात कृषि कार्यों में बढ़ोतरी
- लोहे की खोज से गंगा के मैदान में वनों का साफ कर बड़े खेती योग्य भूमि का व्यापक विकास

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- कृषि कार्यों को बढ़ावा मिलने से आर्थों द्वारा यायावर जीवन की जगह एक स्थान पर रुककर उत्पादन करना
- जलोढ़ मैदानों की उपस्थिति, उर्वर मृदा, नदियों की प्रचुरता से कृषि उत्पादन में बेतहाशा बढ़ोत्तरी
- अधिशेष उत्पादन की वजह से गैर-कृषि कार्यों में लगी जनसंख्या की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति संभव
- नगरीय जनसंख्या द्वारा खाद्य उत्पादन नहीं करने के बावजूद इस अधिशेष द्वारा भोजन की समस्या हल
- सैनिकों को पर्याप्त रसद सामग्री संभव

शिल्प-व्यापार वृद्धि का प्रभाव

- शिल्पकारों तथा व्यापारियों द्वारा अपने इलाके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं व्यापारिक वस्तुओं को बेचने हेतु एक सुव्यवस्थित बाजार निर्माण और कालांतर में प्रमुख शहर के रूप में बदले।

- श्रेणियों के संगठन द्वारा व्यापार तथा शहरीकरण को बढ़ावा
- सिक्कों द्वारा दूरदराज से व्यापार संभव

बढ़ती जनसंख्या तथा नगरीकरण

- पोषण, स्वास्थ आवश्यकताएं आदि पूर्ति से जनसंख्या में भारी वृद्धि
- इनका कृषि कार्यों में लगने की जगह व्यापार तथा शिल्प में संलग्न होना
- राज्य निर्माण तथा सेना निर्माण को बढ़ावा

उपरोक्त से गंगा मैदान में एक व्यापक नगरीकरण प्रारंभ हुआ, जैसे मौर्य शासन के रूप में ज्यादा बेहतर तरीके से परिलक्षित होता दिखाई देता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. India of the 18th century failed to make progress economically, culturally and socially at a pace, which would have saved the country from collapse. Comment **(250 words) 15**

18वीं शताब्दी का भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से उस गति से प्रगति करने में विफल रहा, जो देश को पतन से बचा सकता था। टिप्पणी कीजिए।

18 वीं सदी में ~~एक और~~ पश्चिमी विश्व में पुनर्जागरण तथा औद्योगिक क्रांति जनित वैज्ञानिक - आर्थिक विकास का युग था। भारत में हालांकि एक मजबूत आधुनिक केंद्रीय शक्ति की अनुपस्थिति, छोटे-2 कई क्षेत्रीय शक्ति केंद्रों का उदय जैसी संरचना विद्यमान थी।

आर्थिक स्थिति : 18 वीं सदी का भारत

- व्यापार तथा वाणिज्य में परंपरागत तथा पुराने तौर-तरीकों का चलन
- उत्पादन की कमजोर तथा अकुशल व्यवस्था वहीं यूरोप में मशीनीकृत औद्योगिक उत्पादन पर जोर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

– ज्यादातर सूती वस्त्र, रेशमी वस्त्र तथा मसालों का व्यापार परंतु इनमें भी तकनीकी प्रगति का समावेश नहीं

– वैज्ञानिक क्रांति चालित नवाचार तथा उद्यमिता आधारित व्यापारिक प्रगति की जगह परंपरागत प्रणाली आधारित वर्गीय व्यापार वर्ग द्वारा व्यापारिक गतिविधियों का संचालन

सांस्कृतिक तथा सामाजिक जड़ता

– यूरोप में औद्योगीकरण तथा शहरीकरण के फलस्वरूप नये मध्यम वर्ग का उदय एवं आधुनिक मूल्यों को बढ़ावा वहीं भारत में सामंतवादी व्यवस्था

– भारतीय जाति व्यवस्था से सामाजिक असमानता एवं अभावग्रस्तता को बढ़ावा

– नये तथा आधुनिक उदारवादी मूल्यों,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- अधिकार, लोकतांत्रिक भावना, व्यक्ति की स्वतंत्रता को महत्व आदि के प्रति भारतीयों में आक्रामक जागरूकता नहीं

- अशिक्षा तथा आधुनिक शिक्षा अपनाने के प्रति आक्रामकता का अभाव
- वैज्ञानिक तथा तकनीकी शिक्षण पद्धति की जगह धार्मिक एवं परंपरागत शिक्षा को बढ़ावा
- भेदभाव, सामंतवादी व्यवस्था, कृषि भूमि का असमान वितरण से सामाजिक तानेबाने का गुंथा रहना

उपरोक्त के कारण ही ब्रिटिश, पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी शक्तियों द्वारा भारत को आधिपत्य में लिया गया। इसके कारण 200 वर्षों की गुलामी रूपी जड़ता भारतीय समाज पर दिखाई पड़ती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. The withdrawal of the Civil Disobedience Movement triggered a two-stage debate on the strategic course of India's freedom struggle. Elucidate.

(250 words) 15

सविनय अवज्ञा आंदोलन की वापसी ने भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की रणनीतिक कार्यप्रणाली के संबंध में दो-चरणों वाली बहस को आरंभ कर दिया। स्पष्ट कीजिए।

संवैधानिक सुधारों की प्रगति, साइमन कमीशन का विरोध तथा ब्रिटिश औपनिवेशिकता के खिलाफ संघर्ष को मजबूती देने के लिए सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ हुआ था।

1919 के अधिनियम की समीक्षा पर गठित साइमन कमिशन द्वारा सुधारों की रूपरेखा पर बहस में भारतीय हितों की अनदेखी की गई थी। इस पृष्ठभूमि में गोलमेज सम्मेलन के बाद गांधीजी द्वारा सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस लिया गया था।

सविनय अवज्ञा आंदोलन की वापसी के बाद राष्ट्रीय आंदोलन की रणनीति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं कार्यप्रणाली के संदर्भ में एक ठहराव तथा वैचारिक भिन्नता दिखाई पड़ती है।

आंदोलन वापसी तथा स्वतंत्रता संघर्ष कार्यप्रणाली का पहलाचरण

- गांधीजी द्वारा रचनात्मक कार्यों के माध्यम से जनमानस को अगले के संघर्ष हेतु तैयार करने की मंशा
- नेहरू, बोस जैसे समाजवादी झुकाव वाले नेताओं द्वारा और तीव्रता से औपनिवेशिक सत्ता के विरोध की भावना
- कुछ स्वराजवादियों द्वारा संवैधानिक शासन में भागीदारी के माध्यम से ब्रिटिश हितों की खिलाफत करने की मंशा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1935 का एक्ट तथा दूसरा चरण

- 1935 के भारत सरकार अधिनियम की घोषणा के पश्चात कांग्रेस द्वारा इसका कड़ा विरोध करना
- हालांकि कुछ वर्गों का यह मत था कि विधायिका में प्रवेश के द्वारा कल्याणकारी उपायों का लागू करके जनमानस का शिक्षित करना संभव
- उपरोक्त पृष्ठभूमि में 1937 के चुनावों में कांग्रेस द्वारा भागीदारी तथा 9 प्रांतों में सरकार का निर्माण/भागीदारी

पूर्ण स्वराज तथा स्वाधीनता की भावना को बढ़ावा देने से रोकने हेतु ब्रिटिश सरकार मामूली सुधार कर रही थी। सभी लोगों द्वारा विचारधारात्मक मतभेद के बावजूद औपनिवेशिक शासन का विरोध किया जा रहा था।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Throw light on the causes, course and outcomes of the Civil War, which followed the Russian Revolution. Also, bring out the reasons behind the Bolshevik victory. **(250 words) 15**

रूसी क्रांति के बाद हुए गृहयुद्ध के कारणों, गतिविधियों और परिणामों पर प्रकाश डालिए। साथ ही, बोल्शेविक विजय के कारणों को भी स्पष्ट कीजिए।

1918 की रूसी क्रांति के द्वारा रूस की राजशाही / जारशाही व्यवस्था को समाप्त करके एक साम्यवादी विचारधारा आधारित बोल्शेविक दल का शासन स्थापित हुआ था।

हालांकि बोल्शेविकों के विजय के तुरंत बाद राजशाही समर्थकों, अन्य समाजवादियों, उदारवादियों तथा साम्यवादी बोल्शेविक दल के मध्य गृहयुद्ध की व्यापक शुरुआत हो गई थी।

गृहयुद्ध के कारण

(1) बलपूर्वक सत्ता पर काबिज है राजशाही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समर्थकों तथा सामंतों द्वारा विरोध हेतु एकजुट होना

(2) पूंजीवादी पश्चिमी शक्तियों द्वय साम्यवादी दल का प्रभुत्व एवं शासन के विरुद्ध विरोधियों को समर्थन देना

(3) साम्यवादियों द्वारा हिंसा तथा दमन से प्रतिकार की भावना

गृहयुद्ध के दौरान गतिविधियां

— बोल्शेविक समर्थकों तथा अन्य समाजवादी समर्थकों के मध्य व्यापक टकराव तथा हिंसक गतिविधियां

— शहरों तथा ग्रामीण समाज में वैचारिक द्वेष तथा संघर्ष

— औद्योगिक गतिविधियों पर नियंत्रण की मंशा से टकराव तथा हिंसा का बढ़ावा

— यूरोप समर्पित पूंजीवादी-प्रजातांत्रिक तत्वों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) धन एवं सैन्य मदद

गृहयुद्ध परिणाम तथा बोल्शेविक विजय के कारण

- बोल्शेविकों द्वारा व्यापक रूप से संगठित तथा सुव्यवस्थित तरीके से निपटना जिससे साम्यवादी शासन विरोधियों की हार

- प्रथम विश्वयुद्ध समाप्ति के बाद बाह्य मदद के अभाव से विरोधियों की सैन्य तथा आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

- कुशल तथा योग्य नेतृत्व युक्त बोल्शेविक दल की लड़ाकू क्षमता

अप्रत्यक्ष के साथ ट्राटस्की, लेनिन जैसे दक्ष प्रशासकों द्वारा संगठित रूप से गृहयुद्ध को जीता गया था।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are Glacial Lake Outburst Floods (GLOFs)? Highlighting the susceptibility of the Himalayan region to GLOFs, state the measures required to address them. **(250 words) 15**

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स (GLOFs) क्या हैं? GLOFs के प्रति हिमालयी क्षेत्र की सुभेद्यता पर प्रकाश डालते हुए, इनके समाधान के लिए आवश्यक उपायों का उल्लेख कीजिए।

उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में जब हिमनदों का जल पिघलता है, तो कभी-2 भौगोलिक विशेषताओं की वजह से वह उच्च क्षेत्रों में झील का आकार ग्रहण कर लेता है प्राकृतिक तथा मानवजनित कारणों से इसी हिमनदीय झीलों के जल का तेज एवं अचानक प्रवाह GLOF कहलाता है।

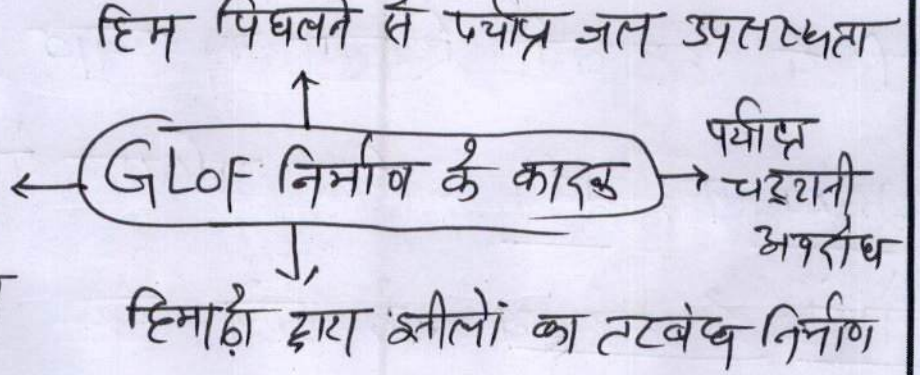

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

GLOF के प्रति हिमालयी सुभेद्यता

- वैश्विक तापन प्रेरित जलवायु परिवर्तन प्रभाव से हिमनदों के पिघलने की तीव्रता तथा बारंबारता में वृद्धि
- हिमालयी क्षेत्रों के ऊपरी हिस्सों में व्यापक अनुकूल उच्चावच संबंधी विशेषताएं जिससे जल का एकत्रीकरण एवं झील निर्माण संभव
- हिमनदों की व्यापक उपस्थिति तथा उनकी संख्या
- मानवीय गतिविधियों, पर्यटन, सड़क-निर्माण आदि से हिमालयी स्थिरता का प्रभाव
- भूस्खलन, भूकंप जनित अस्थिरता से हिमोढ़ों के तटबंध के टूटने की आशंका

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान हेतु आवश्यक उपाय

(1) उच्च हिमालयी झीलों का व्यापक तकनीकी मानचित्रण जिसमें रिमोट सेंसिंग, GIS आदि का प्रयोग

(2) मानचित्रण करके जल की मात्रा तथा उसमें मौसमी उतार-चढ़ाव पर समझ विकसित करना

(3) एक पूर्व-चेतावनी प्रणाली का विकास करके ग्लेशियर समुदायों की सुभेद्यता के प्रश्न का समाधान करना

(4) सैटेलाइट आधारित जल की मात्रा तथा हिमोढ़ों की मजबूती का आकलन

केदारनाथ त्रासदी सहित कई आपदाओं में GLOF की विभिषिका देखी जा चुकी है। पर्याप्त नीति तथा समझ का विकास करके इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Highlighting the significance of critical minerals, provide an account of their distribution in India and the world. **(250 words) 15**

महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व को रेखांकित करते हुए, भारत और विश्व में उनके वितरण का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

आज के औद्योगीकरण के युग में महत्वपूर्ण खनीजों की उपलब्धता एक व्यापक आयाम ग्रहण करती दिखाई देती है

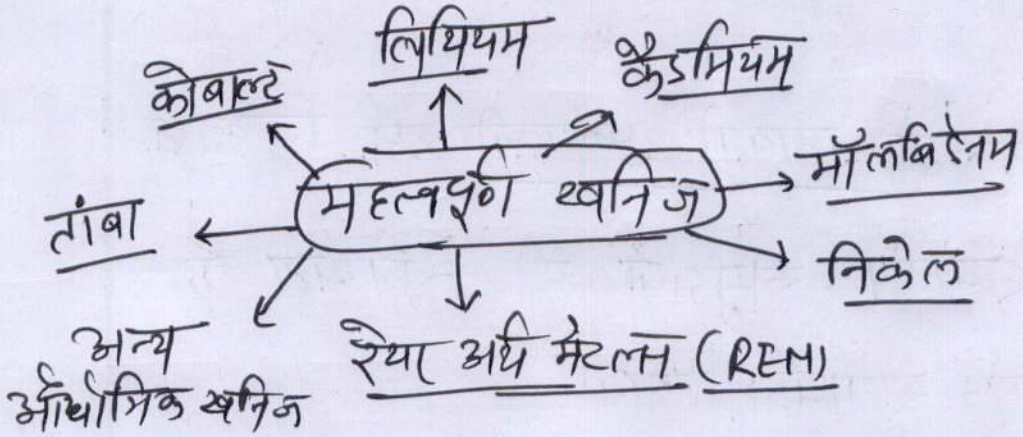

महत्वपूर्ण खनिजों का महत्व

(1) इस्पात तथा धातु उत्पादन उद्योगों में तापीय सहनशीलता का विकास

(2) इलेक्ट्रिक वाहनों तथा बैटरियों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्माण में रेयर अर्थ मेटल्स तथा अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का रोल

↓

इससे पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन रोकथाम प्रयासों को बढ़ावा

(3) सोलर प्लेट सहित पर्यावरण अनुकूल तकनीकों के निर्माण सामग्री के रूप में

(4) इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूरसंचार उद्योग के अंतर्गत चिप निर्माण एवं सेमिकंडक्टर गतिविधियों के विकास में

(5) औद्योगिक विनिर्माण गतिविधियों तथा प्रणालियों के विभिन्न चरणों में उपयोग

(6) संयंत्रों, मशीनरियों, परिवहन प्रणालियों में उपयोग

भारत में इनका वितरण

→ केरल के समुद्री तटों पर से

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मोनाजाइट रेत में थोरियम तथा अन्य रणनीतिक खनिजों की उपस्थिति
- कर्नाटक में लिथियम भंडार का अनुमान
- छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा बेल्ट में
- कडप्पा क्षेत्र तथा नेल्लोर क्षेत्र
- राजस्थान के अरावली भूभाग में

महत्वपूर्ण खनिजों का वैश्विक वितरण

- चीन में दुर्लभ भूधातु की व्यापक मात्रा
- कांगो, चिली, बोलीविया में
- ऑस्ट्रेलिया की खदानों में
- इंडोनेशिया में निकेल
- ब्राजील के उच्च भूभाग क्षेत्र में

औद्योगिक विकास के चालक के रूप में इनकी भूमिका है। इस अनुरूप राष्ट्रीय खनिज नीति के द्वारा इसे और खोजने को बढ़ावा देना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Highlighting the importance of ice sheets, discuss the likely impact of their melting on the planet with special focus on India. **(250 words) 15**

हिम चादरों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, भारत के विशेष संदर्भ में पृथ्वी पर उनके पिघलने के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

हिम की व्यापक तथा मोटी परत से मौजूद बड़े भाग की प्रविधि को हिम चादर की संज्ञा दी जाती है। इनका विकास हजारों-लाखों वर्षों की प्रक्रियाओं के द्वारा हुआ है।

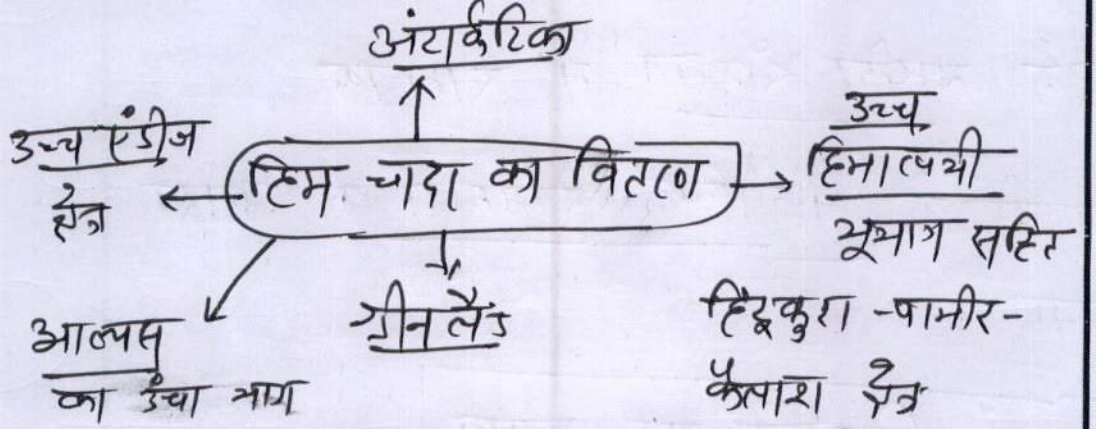

हिम चादरों का महत्व

(1) मीठे जल के सबसे बड़े संग्रहकर्ता के रूप में

(2) पर्माफ्रास्ट आधारित ग्रीन हाउस गैसों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के उत्सर्जन को रोकने में

③ वैश्विक वायु संचरण प्रणालियों पर प्रभाव जिसके अंतर्गत तापमान तथा आर्द्रता आधारित उष्ण एवं शुष्क पवनों का वर्गीकरण

④ समुद्री जल की लवणीयता निर्धारण में सहायक

⑤ पृथ्वी पर सौर विकिरण को परावर्तित करके तापीय संतुलन में सहायक

⑥ पृथ्वी के भौगोलिक इतिहास की समझ बढ़ाना

इनके पिघलने का प्रभाव

- समुद्री जल की लवणीयता में असंतुलन जिससे जल का परिसंचरण तथा महासागरीय धाराओं के पैटर्न में बदलाव
- समुद्री जल स्तर के बढ़ने की आशंका

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जिससे तटीय देशों का जलमग्न होना

— तटीय समुदायों तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव

↓

भारत की जनसंख्या में तटीय समुदायों की विविध भागीदारी साथ ही महत्वपूर्ण शहरों के जलमग्न होने खतरा

— तटीय जलीय स्रोतों के लवणीकरण की आशंका जिससे भारत सहित विश्व में पेयजल उपलब्धता पर प्रहार

— नदियों में अचानक तीव्र बाढ़ तथा अनियमित जल उपलब्धता से जनसंख्या की खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव,

↓

भारत की उपजाऊ गंगा-ब्रह्मपुत्र-सिंधु मैदानों पर प्रतिकूल प्रभाव

उपरोक्त के साथ जलीय जैव-विविधता का ह्रास एवं पर्यावरणीय असंतुलन भी देखा जा सकता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. What are twin cyclones? Discuss the role of Rossby waves and Madden-Julian Oscillation (MJO) in their formation. **(250 words) 15**

जुड़वाँ चक्रवात (ट्विन साइक्लोन) क्या होते हैं? उनके निर्माण में रॉस्बी तरंगों और मैडेन-जूलियन दोलन (MJO) की भूमिका की विवेचना कीजिए।

जुड़वां चक्रवातों के अंतर्गत चक्रवातों की वैसी स्थिति होती है, जहां एक ही देशांतर पर विभिन्न देशों में अलग-2 दो चक्रवातों का निर्माण होता है।

जुड़वां चक्रवातों का निर्माण एवं रॉस्बी तरंगों की भूमिका

- रॉस्बी तरंगे गुरुत्वीय प्रवणें हैं जो सामुद्रिक विशेषताओं से जनित तथा प्रभावित होती हैं।
- ये पश्चिम की ओर एक विस्तृत

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामुद्रिक सतह के ऊपर चलती है तथा वायु प्रणाली, आर्द्रता, जलवाष्प, बादलों, दबाव आदि को प्रभावित करती है।

- जब इनके द्वारा किसी खास क्षेत्र में कम दबाव का निर्माण होता है, तब उसके केंद्र से जलवाष्प तथा हवाओं का ऊपर की ओर गमन प्रारंभ होता है।

- इसी क्रम में उत्तरी गोलार्द्ध में वामावर्त तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणावर्त पवनों का घूर्णन प्रारंभ

- इसी के फलस्वरूप वर्टेक्स आच्छादित चक्रवातों का विकास

जुड़वां चक्रवात तथा मैडेन-जूलियन दोलन

- पूर्वी हिंद महासागर तथा पश्चिमी

प्रशांत महासागर के मध्य तापीय, आर्द्रता तथा जलवाष्प विभिन्नता आधारित रूस म ज० से भी कम दबाव क्षेत्र का निर्माण

— उपरोक्त प्रक्रिया से हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर में व्यापक तथा अनुकूल चक्रवातीय दशाओं का निर्माण

— तापीय जलीय विभिन्नता तथा उष्ण समुद्री सतह का म ज० से जुड़ा होना

— ४ —

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Since independence, planning strategies for women's upliftment has evolved from welfare to development to empowerment. Elucidate. Also, discuss the role played by voluntary organizations in this context.

(250 words) 15

स्वतंत्रता के पश्चात, महिलाओं के उत्थान के लिए नियोजन रणनीतियां कल्याण से लेकर विकास और सशक्तीकरण तक विकसित हुई हैं। स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में स्वयंसेवी संगठनों द्वारा निभाई गई भूमिका की भी विवेचना कीजिए।

आजादी के बाद स्वतंत्र भारत में महिलाओं के समग्र उत्थान हेतु गंभीरता से प्रयासों का प्रारंभ किया गया था।

महिला केंद्रित रणनीति में कल्याण का दृष्टिकोण

- प्रारंभ में महिलाओं को वंचित तथा शोषण से पीड़ित मानकर उनके समग्र कल्याण हेतु प्रयास
- इस क्रम में पँचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से उनके स्वास्थ्य, शिक्षा तथा उनके प्रति सामाजिक भेदभाव में सुधार के प्रयास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

— वितरण आधारित न्याय के दृष्टिकोण के साथ उनके सामाजिक-सांस्कृतिक उत्थान के प्रयास

नियोजन रणनीति तथा विकास का एप्रोच

— कल्याण के उपरांत आगामी योजनाओं में उनके शैक्षिक तथा सांस्कृतिक विकास पर जोर

— इस दिशा में महिला मंत्रालय तथा अन्य योजनाओं का समावेश

— 73वें तथा 74वें संशोधन के द्वारा राजनीतिक विकास एवं सहभागिता का बढ़ावा

नियोजन रणनीति में सशक्तिकरण की भावना

— वर्तमान प्रयासों के तहत कल्याण, विकास

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की जगह समावेशी विकास आधारित सशक्तिकरण को बढ़ावा

- राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय महिला नीति आदि से रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा में खुद सशक्त होने के प्रयासों को बढ़ावा

इस संदर्भ में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका

- महिलाओं को एकजुट तथा संगठित करना
- महिला केंद्रित तथा महिला आधारित विमर्श एवं आंदोलनों की रूपरेखा
- महिलाओं में जागरूकता प्रसार को प्रोत्साहन
- सरकारी योजनाओं को ग्राउंड लेवल तक पहुंचाने में रचनात्मक सहयोग

सरकार एवं स्वयंसेवी संगठनों के मध्य बेहतर समन्वय बनाकर इस दिशा में SDG-5 (लैंगिक समानता) की ओर बढ़ा जाना चाहिए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. How far do you agree with the view that globalisation has aggravated the challenges faced by the poor in India? **(250 words) 15**
आप इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं कि वैश्वीकरण ने भारत में निर्धनों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया है?

वैश्वीकरण एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोगों, वस्तुओं तथा सेवाओं एवं विचार का राष्ट्रों के सीमाओं के परे मुक्त तथा तीव्र प्रवाह होता है

वैश्वीकरण तथा निर्धनों की समस्याओं पर प्रहार

- सामाजिक कल्याण हेतु सरकार के पास ज्यादा वित्तीय संसाधन उपलब्धता
- मानवाधिकारों तथा गरीबी उन्मूलन प्रयासों को बढ़ावा देना
- UNDP, WB, एवं अन्य एजेंसियों द्वारा बेहतर तरीके से गरीबी उन्मूलन तथा असमानता में कमी के प्रयासों को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैचारिक तथा वित्तीय अनुसमर्थन
- वैश्विक NGo द्वारा जागरूकता कार्यक्रम तथा सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाना
- आर्थिक विकास का समग्र तथा समावेशी लाभ सभी को सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार पर दबाव का निर्माण

वैश्वीकरण से निर्धनों की चुनौतियों का और बढ़ना

- आय का असमान वितरण तथा धन का संकेंद्रण और तीव्रता से होना
- इंडिया तथा भारत के मध्य आर्थिक एवं सामाजिक खाई का और गहरा होना
- वैश्वीकरण जनित कुशल कामगारों की मांग से अकुशल तथा परंपरागत श्रमिकों की आय में और गिरावट

- सरकारी प्रयासों में सामाजिक कल्याण पर ज्यादा खर्च की जगह आर्थिक संवृद्धि उपायों में ज्यादा खर्च

- शहरीकरण की असंधारणीय प्रवृत्ति से और खराब स्वास्थ्य तथा जीवन स्तर

- स्वास्थ्य, शिक्षा का और महंगा होना जिससे गरीबी का दुष्चक्र का और तीव्र होना

उपरोक्त के मद्देनजर यह कहना तार्किक होगा कि वैश्वीकरण जनित चुनौतियों का समाधान खोजना चाहिए, ताकि इसके लाभों का फायदा उठाकर सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति तथा निर्धनता उन्मूलन में सहायता मिल सके।